



Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ करवा चौथ व्रत का महत्व ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ करवा चौथ व्रत का महत्व ॥

करवा चौथ हिंदू परंपरा में विवाहित महिलाओं द्वारा रखा जाने वाला महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत पति की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य, सुखी दांपत्य जीवन और परिवार की मंगल-कामना से जुड़ा माना जाता है। इस दिन महिलाएँ श्रद्धापूर्वक व्रत रखकर माता पार्वती, भगवान शिव, भगवान गणेश और चंद्र देव की पूजा करती हैं।

करवा चौथ व्रत के प्रमुख महत्व

पति की दीर्घायु की कामना

इस व्रत का प्रमुख उद्देश्य पति के लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करना माना जाता है।

दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ाना

करवा चौथ पति-पत्नी के बीच प्रेम, विश्वास, समर्पण और आपसी भावनाओं को मजबूत करने का प्रतीक माना जाता है।

सुखी वैवाहिक जीवन की कामना

महिलाएँ माता पार्वती और भगवान शिव से अपने वैवाहिक जीवन में सुख, शांति और स्थिरता की प्रार्थना करती हैं।

परिवार की सुख-समृद्धि

करवा चौथ का व्रत परिवार में सुख-शांति, समृद्धि और मंगल की कामना से भी किया जाता है।

माता पार्वती का आशीर्वाद

माता पार्वती को अखंड सौभाग्य और वैवाहिक सुख का प्रतीक माना जाता है। इसलिए उनकी पूजा कर सुहाग और दांपत्य सुख की कामना की जाती है।

संयम और संकल्प का पर्व
व्रत व्यक्ति को आत्मसंयम, धैर्य, श्रद्धा और संकल्प की भावना का
अभ्यास कराता है।

चंद्रमा की पूजा का महत्व
रात्रि में चंद्र देव को अर्घ्य देकर व्रत पूर्ण करने की परंपरा है। चंद्रमा को
मन और भावनाओं से संबंधित माना जाता है, इसलिए चंद्र पूजा मानसिक
शांति और पारिवारिक सुख की कामना से जुड़ी है।

आध्यात्मिक महत्व

करवा चौथ का वास्तविक संदेश प्रेम, विश्वास, त्याग, सम्मान और एक-
दूसरे के सुख की मंगलकामना से जुड़ा है। यह व्रत दांपत्य संबंधों को
केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से भी मजबूत
करने का प्रतीक माना जाता है।

माता करवा एवं माता पार्वती सभी सुहागिनों के अखंड सौभाग्य और
सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद प्रदान करें